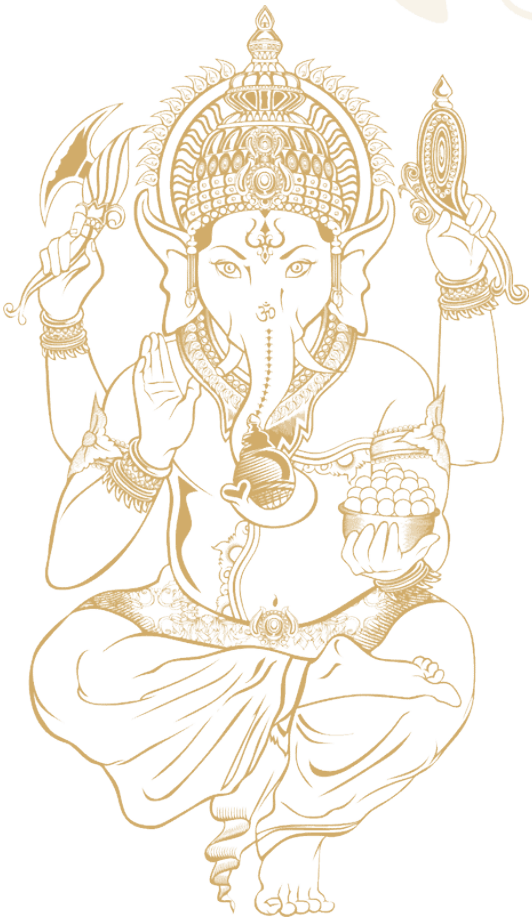

Mr.ROSHAN THAKUR

01 Jul 1999

06:45 PM

Simla

Model: Web-VarshKundli

Order No: 119836301

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
01/07/1999	जन्म तिथि	**01/07/2025**
गुरुवार	दिन	मंगलवार
घंटे 18:45:00	जन्म समय	10:41:10 घंटे
घटी 33:30:02	जन्म समय(घटी)	13:19:45 घटी
India	देश	India
Simla	स्थान	Simla
उत्तर 31:06:00	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
पूर्व 77:10:00	रेखांश	77:10:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:20:59	सूर्योदय	05:21:16
19:28:59	सूर्यास्त	19:28:57
23:50:48	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:51
धनु	लग्न	सिंह
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
मकर	राशि	सिंह
शनि	राशि-स्वामी	सूर्य
श्रवण	नक्षत्र	उ०फाल्गुनी
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
2	चरण	1
विष्कुम्भ	योग	व्यतिपात
विष्टि	करण	गर
खू-खूबचन्द	जन्म नामाक्षर	टे-टेस्टी
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
जलचर	वश्य	वनचर
वानर	योनि	गौ
देव	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
मार्जार	वर्ग	श्वान
26	गत/तत्कालिक वर्ष	27

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व अ
मूल	2	06:04:04	धनु	
आर्द्रा	3	15:25:38	मिथु	
श्रवण	2	15:25:40	मक	
चित्रा	4	05:00:37	तुला	
पुष्य	3	10:47:19	कर्क	
अश्विनी	2	06:38:43	मेष	
आश्लेषा	4	28:57:36	कर्क	
भरणी	3	20:25:26	मेष	
आश्लेषा	1	19:20:55	कर्क	व
श्रवण	3	19:20:55	मक	व
श्रवण	4	22:19:05	मक	व

वर्ष - विवरण

ग्रह	व अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न		सिंह	22:23:24	3	पू०फाल्गुनी
सूर्य		मिथु	15:25:38	3	आर्द्रा
चंद्र		सिंह	27:35:14	1	उ०फाल्गुनी
मंगल		सिंह	13:40:47	1	पू०फाल्गुनी
बुध		कर्क	11:07:53	3	पुष्य
गुरु	अ	मिथु	10:39:05	2	आर्द्रा
शुक्र		वृष	02:01:20	2	कृतिका
शनि		मीन	07:36:02	2	उ०भाद्रपद
राहु		कुंभ	26:50:50	3	पू०भाद्रपद
केतु		सिंह	26:50:50	1	उ०फाल्गुनी
मु		कुंभ	06:04:04	4	धनिष्ठा

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:51

लग्न-चलित

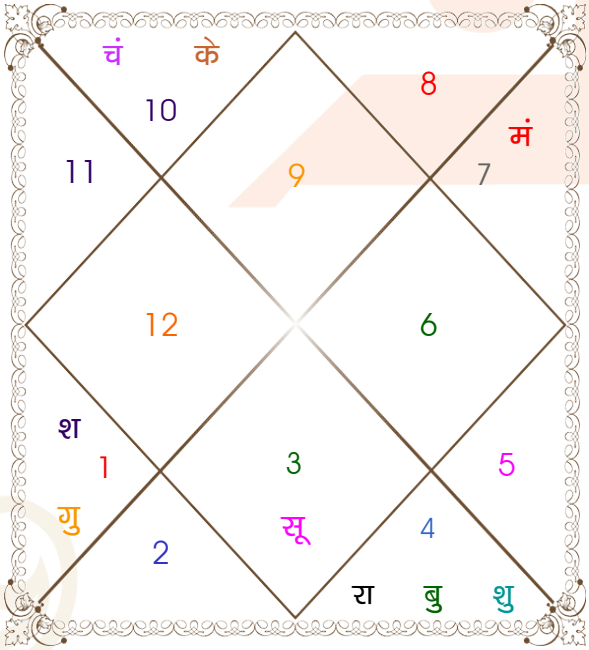

वर्ष लग्न कुंडली

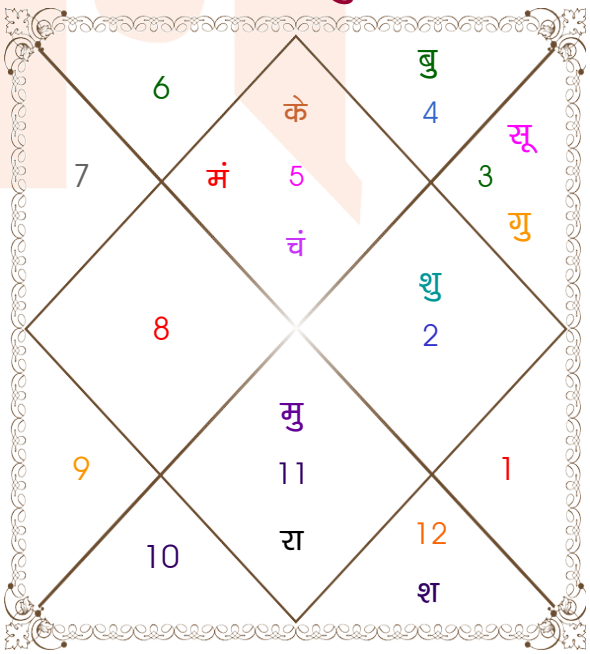

शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

चन्द्र कुंडली

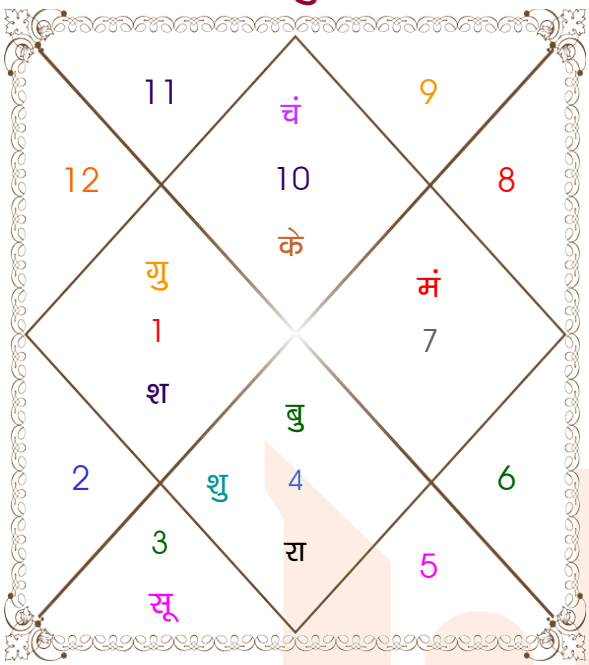

वर्ष चन्द्र कुंडली

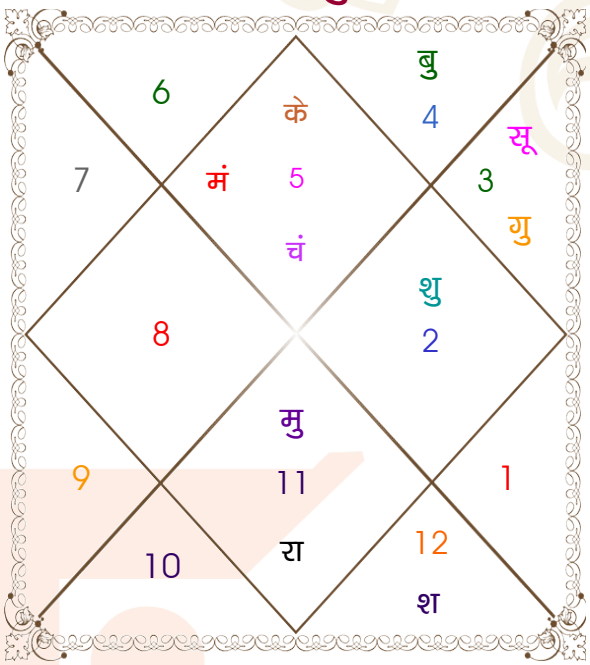

नवमांश कुंडली

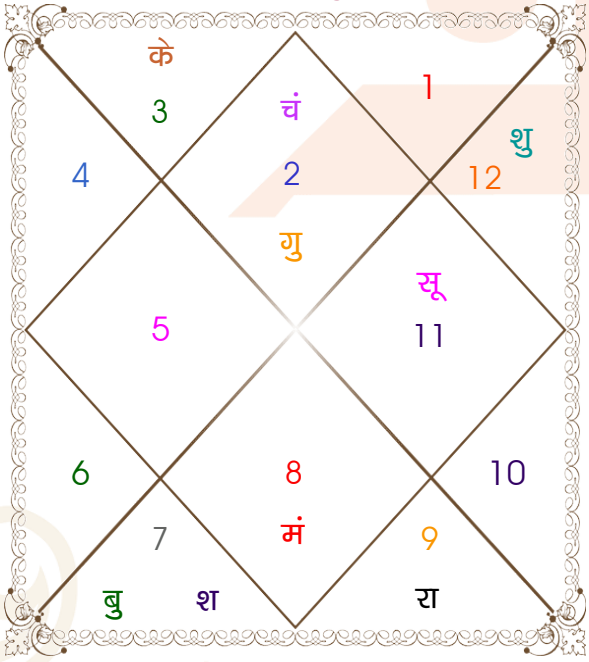

वर्ष नवमांश कुंडली

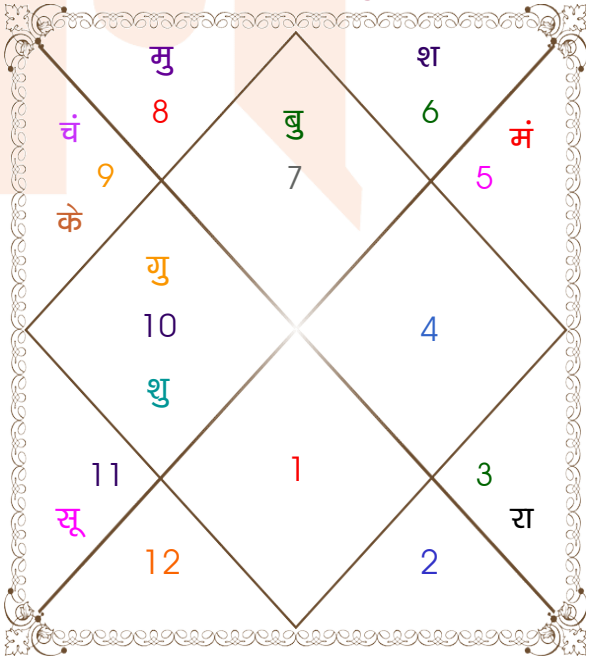

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	शत्रु	सम	शत्रु
चन्द्र	मित्र	---	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	सम
मंगल	मित्र	शत्रु	---	सम	मित्र	शत्रु	सम
बुध	सम	सम	सम	---	सम	मित्र	मित्र
गुरु	शत्रु	मित्र	मित्र	सम	---	सम	शत्रु
शुक्र	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	---	मित्र
शनि	शत्रु	सम	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सिंह	मिथु	सिंह	सिंह	कर्क	मिथु	वृष	मीन
होरा	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	मेष	मेष	मेष	धनु	कन्या	मेष	कन्या	मक
चतुर्थांश	कुंभ	धनु	वृष	वृश्चि	तुला	कन्या	वृष	मिथु
पंचमांश	मिथु	धनु	तुला	धनु	कन्या	कुंभ	वृष	कन्या
षष्ठांश	सिंह	कर्क	कन्या	मिथु	धनु	मिथु	तुला	वृश्चि
सप्तमांश	मक	कन्या	कुंभ	वृश्चि	मीन	सिंह	वृश्चि	तुला
अष्टमांश	मक	कन्या	मीन	वृश्चि	मिथु	कर्क	सिंह	कर्क
नवमांश	तुला	कुंभ	धनु	सिंह	तुला	मक	मक	कन्या
दशमांश	मीन	वृश्चि	वृष	धनु	मिथु	कन्या	मक	मक
एकादशांश	मीन	तुला	वृष	धनु	तुला	सिंह	मेष	मेष
द्वादशांश	मेष	धनु	कर्क	मक	वृश्चि	तुला	वृष	मिथु

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सम	मित्र	मित्र	सम	सम	स्व	शत्रु
होरा	मित्र	स्व	मित्र	सम	शत्रु	शत्रु	सम
द्रेष्काण	मित्र	शत्रु	मित्र	स्व	मित्र	मित्र	स्व
चतुर्थांश	शत्रु	शत्रु	स्व	मित्र	सम	स्व	मित्र
पंचमांश	शत्रु	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु	स्व	मित्र
षष्ठांश	मित्र	सम	सम	सम	सम	स्व	सम
सप्तमांश	सम	सम	स्व	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र
अष्टमांश	सम	मित्र	स्व	स्व	मित्र	सम	सम
नवमांश	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र
दशमांश	मित्र	शत्रु	मित्र	स्व	सम	मित्र	स्व
एकादशांश	सम	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम
द्वादशांश	शत्रु	स्व	सम	सम	सम	स्व	मित्र
शुभ	4	5	10	7	2	8	7
सम	4	2	2	5	5	1	4
अशुभ	4	5	0	0	5	3	1
कुल	सम	सम	शुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	शुभ

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	5	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	5	0
तृतीय बल	5	5	0	0	5	0	5
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	10	5	5	0	15	5	5
बल	सामान्य	क्षीण	क्षीण	अतिक्षीण	बली	क्षीण	क्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	15.00	22.50	22.50	15.00	15.00	30.00	7.50
उच्च बल	12.73	7.27	1.74	12.90	17.29	16.11	4.71
हददा बल	3.75	3.75	7.50	11.25	7.50	15.00	11.25
द्रेष्काण	7.50	2.50	7.50	10.00	7.50	7.50	10.00
नवमांश	1.25	3.75	3.75	3.75	1.25	3.75	3.75
कुल	40.23	39.77	42.99	52.90	48.54	72.36	37.21
विंशोपक	10.06	9.94	10.75	13.23	12.14	18.09	9.30
बल	शुभ	सामान्य	शुभ	शुभ	शुभ	बली	सामान्य

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	गुरु	12.14	शुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	सूर्य	10.06	शुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	शनि	9.30	दृष्टि नहीं	गुरु
दिवापति	बुध	13.23	दृष्टि नहीं	
त्रिराशिपति	गुरु	12.14	शुभ	

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

पात्यंश दशा

शुक्र		शनि		गुरु		बुध		मंगल	
01/07/2025		28/07/2025		10/10/2025		19/11/2025		25/11/2025	
28/07/2025		10/10/2025		19/11/2025		25/11/2025		29/12/2025	
शुक्र	03/07/2025	शनि	12/08/2025	गुरु	14/10/2025	बुध	19/11/2025	मंगल	28/11/2025
शनि	08/07/2025	गुरु	20/08/2025	बुध	15/10/2025	मंगल	20/11/2025	सूर्य	01/12/2025
गुरु	11/07/2025	बुध	21/08/2025	मंगल	18/10/2025	सूर्य	20/11/2025	लग्न	09/12/2025
बुध	12/07/2025	मंगल	28/08/2025	सूर्य	21/10/2025	लग्न	22/11/2025	चंद्र	15/12/2025
मंगल	14/07/2025	सूर्य	02/09/2025	लग्न	31/10/2025	चंद्र	23/11/2025	शुक्र	18/12/2025
सूर्य	16/07/2025	लग्न	20/09/2025	चंद्र	08/11/2025	शुक्र	23/11/2025	शनि	25/12/2025
लग्न	23/07/2025	चंद्र	04/10/2025	शुक्र	11/11/2025	शनि	25/11/2025	गुरु	28/12/2025
चंद्र	28/07/2025	शुक्र	10/10/2025	शनि	19/11/2025	गुरु	25/11/2025	बुध	29/12/2025

सूर्य		लग्न		चंद्र		शुक्र	
29/12/2025		21/01/2026		23/04/2026		01/07/2026	
21/01/2026		23/04/2026		01/07/2026		00/00/0000	
सूर्य	31/12/2025	लग्न	13/02/2026	चंद्र	06/05/2026	शुक्र	01/07/2026
लग्न	05/01/2026	चंद्र	03/03/2026	शुक्र	11/05/2026		00/00/0000
चंद्र	10/01/2026	शुक्र	10/03/2026	शनि	25/05/2026		00/00/0000
शुक्र	11/01/2026	शनि	28/03/2026	गुरु	02/06/2026		00/00/0000
शनि	16/01/2026	गुरु	07/04/2026	बुध	03/06/2026		00/00/0000
गुरु	19/01/2026	बुध	09/04/2026	मंगल	09/06/2026		00/00/0000
बुध	19/01/2026	मंगल	18/04/2026	सूर्य	14/06/2026		00/00/0000
मंगल	21/01/2026	सूर्य	23/04/2026	लग्न	01/07/2026		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

मुद्दा दशा

सूर्य		चंद्र		मंगल		राहु		गुरु	
01/07/2025		19/07/2025		19/08/2025		09/09/2025		03/11/2025	
19/07/2025		19/08/2025		09/09/2025		03/11/2025		21/12/2025	
सूर्य	02/07/2025	चंद्र	22/07/2025	मंगल	20/08/2025	राहु	17/09/2025	गुरु	09/11/2025
चंद्र	03/07/2025	मंगल	24/07/2025	राहु	23/08/2025	गुरु	24/09/2025	शनि	17/11/2025
मंगल	04/07/2025	राहु	28/07/2025	गुरु	26/08/2025	शनि	03/10/2025	बुध	24/11/2025
राहु	07/07/2025	गुरु	01/08/2025	शनि	29/08/2025	बुध	11/10/2025	केतु	27/11/2025
गुरु	10/07/2025	शनि	06/08/2025	बुध	01/09/2025	केतु	14/10/2025	शुक्र	05/12/2025
शनि	13/07/2025	बुध	10/08/2025	केतु	03/09/2025	शुक्र	23/10/2025	सूर्य	07/12/2025
बुध	15/07/2025	केतु	12/08/2025	शुक्र	06/09/2025	सूर्य	26/10/2025	चंद्र	11/12/2025
केतु	16/07/2025	शुक्र	17/08/2025	सूर्य	07/09/2025	चंद्र	31/10/2025	मंगल	14/12/2025
शुक्र	19/07/2025	सूर्य	19/08/2025	चंद्र	09/09/2025	मंगल	03/11/2025	राहु	21/12/2025

शनि		बुध		केतु		शुक्र		शुक्र	
21/12/2025		17/02/2026		10/04/2026		01/05/2026		01/05/2026	
17/02/2026		10/04/2026		01/05/2026		01/07/2026		01/07/2026	
शनि	31/12/2025	बुध	25/02/2026	केतु	11/04/2026	शुक्र	11/05/2026	शुक्र	11/05/2026
बुध	08/01/2026	केतु	28/02/2026	शुक्र	15/04/2026	सूर्य	15/05/2026	सूर्य	15/05/2026
केतु	11/01/2026	शुक्र	08/03/2026	सूर्य	16/04/2026	चंद्र	20/05/2026	चंद्र	20/05/2026
शुक्र	21/01/2026	सूर्य	11/03/2026	चंद्र	18/04/2026	मंगल	23/05/2026	मंगल	23/05/2026
सूर्य	24/01/2026	चंद्र	15/03/2026	मंगल	19/04/2026	राहु	01/06/2026	राहु	01/06/2026
चंद्र	29/01/2026	मंगल	18/03/2026	राहु	22/04/2026	गुरु	09/06/2026	गुरु	09/06/2026
मंगल	01/02/2026	राहु	26/03/2026	गुरु	25/04/2026	शनि	19/06/2026	शनि	19/06/2026
राहु	10/02/2026	गुरु	02/04/2026	शनि	28/04/2026	बुध	28/06/2026	बुध	28/06/2026
गुरु	17/02/2026	शनि	10/04/2026	बुध	01/05/2026	केतु	01/07/2026	केतु	01/07/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - शुक्र - गुरु		राहु - शुक्र - शनि		राहु - शुक्र - बुध		राहु - शुक्र - केतु	
02/07/2025 18:42		25/11/2025 21:06		18/05/2026 08:57		20/10/2026 14:30	
25/11/2025 21:06		18/05/2026 08:57		20/10/2026 14:30		23/12/2026 12:33	
गुरु	22/07/2025 06:13	शनि	23/12/2025 08:23	बुध	09/06/2026 08:44	केतु	24/10/2026 07:59
शनि	14/08/2025 09:24	बुध	16/01/2026 22:15	केतु	18/06/2026 10:04	शुक्र	03/11/2026 23:40
बुध	04/09/2025 02:09	केतु	27/01/2026 01:09	शुक्र	14/07/2026 06:59	सूर्य	07/11/2026 04:22
केतु	12/09/2025 14:41	शुक्र	24/02/2026 23:07	सूर्य	22/07/2026 01:16	चंद्र	12/11/2026 12:12
शुक्र	06/10/2025 23:05	सूर्य	05/03/2026 15:19	चंद्र	03/08/2026 23:44	मंगल	16/11/2026 05:41
सूर्य	14/10/2025 06:24	चंद्र	20/03/2026 02:18	मंगल	13/08/2026 01:03	राहु	25/11/2026 19:48
चंद्र	26/10/2025 10:36	मंगल	30/03/2026 05:12	राहु	05/09/2026 07:53	गुरु	04/12/2026 08:20
मंगल	03/11/2025 23:09	राहु	25/04/2026 05:46	गुरु	26/09/2026 00:37	शनि	14/12/2026 11:14
राहु	25/11/2025 21:06	गुरु	18/05/2026 08:57	शनि	20/10/2026 14:30	बुध	23/12/2026 12:33

राहु - सूर्य - सूर्य		राहु - सूर्य - चंद्र		राहु - सूर्य - मंगल		राहु - सूर्य - राहु	
23/12/2026 12:33		08/01/2027 23:01		05/02/2027 08:28		24/02/2027 12:41	
08/01/2027 23:01		05/02/2027 08:28		24/02/2027 12:41		14/04/2027 20:06	
सूर्य	24/12/2026 08:17	चंद्र	11/01/2027 05:49	मंगल	06/02/2027 11:19	राहु	03/03/2027 22:12
चंद्र	25/12/2026 17:09	मंगल	12/01/2027 20:10	राहु	09/02/2027 08:21	गुरु	10/03/2027 11:59
मंगल	26/12/2026 16:10	राहु	16/01/2027 22:47	गुरु	11/02/2027 21:43	शनि	18/03/2027 07:22
राहु	29/12/2026 03:20	गुरु	20/01/2027 14:26	शनि	14/02/2027 22:35	बुध	25/03/2027 07:01
गुरु	31/12/2026 07:56	शनि	24/01/2027 22:32	बुध	17/02/2027 15:47	केतु	28/03/2027 04:03
शनि	02/01/2027 22:23	बुध	28/01/2027 19:40	केतु	18/02/2027 18:37	शुक्र	05/04/2027 09:17
बुध	05/01/2027 06:16	केतु	30/01/2027 10:02	शुक्र	21/02/2027 23:20	सूर्य	07/04/2027 20:27
केतु	06/01/2027 05:17	शुक्र	03/02/2027 23:36	सूर्य	22/02/2027 22:20	चंद्र	11/04/2027 23:04
शुक्र	08/01/2027 23:01	सूर्य	05/02/2027 08:28	चंद्र	24/02/2027 12:41	मंगल	14/04/2027 20:06

राहु - सूर्य - गुरु		राहु - सूर्य - शनि		राहु - सूर्य - बुध		राहु - सूर्य - केतु	
14/04/2027 20:06		28/05/2027 16:01		19/07/2027 17:10		04/09/2027 06:50	
28/05/2027 16:01		19/07/2027 17:10		04/09/2027 06:50		23/09/2027 11:03	
गुरु	20/04/2027 16:21	शनि	05/06/2027 21:48	बुध	26/07/2027 07:31	केतु	05/09/2027 09:41
शनि	27/04/2027 14:54	बुध	13/06/2027 06:46	केतु	29/07/2027 00:42	शुक्र	08/09/2027 14:23
बुध	03/05/2027 19:56	केतु	16/06/2027 07:38	शुक्र	05/08/2027 18:59	सूर्य	09/09/2027 13:24
केतु	06/05/2027 09:18	शुक्र	24/06/2027 23:49	सूर्य	08/08/2027 02:52	चंद्र	11/09/2027 03:45
शुक्र	13/05/2027 16:37	सूर्य	27/06/2027 14:17	चंद्र	12/08/2027 00:00	मंगल	12/09/2027 06:36
सूर्य	15/05/2027 21:12	चंद्र	01/07/2027 22:23	मंगल	14/08/2027 17:12	राहु	15/09/2027 03:38
चंद्र	19/05/2027 12:52	मंगल	04/07/2027 23:15	राहु	21/08/2027 16:51	गुरु	17/09/2027 16:59
मंगल	22/05/2027 02:14	राहु	12/07/2027 18:37	गुरु	27/08/2027 21:52	शनि	20/09/2027 17:51
राहु	28/05/2027 16:01	गुरु	19/07/2027 17:10	शनि	04/09/2027 06:50	बुध	23/09/2027 11:03

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में कफ आदि रोगों से आप समय समय पर कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में तनाव एवं व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय शरीर में दुर्बलता भी रहेगी तथा स्वभाव में क्रोध भी अधिक रहेगा फलतः यदा कदा अनावश्यक परेशानियां उत्पन्न होंगी। परिवार की सुख शान्ति तथा समृद्धि इस वर्ष में अच्छी नहीं रहेगी तथा पुत्र एवं स्त्री से संबंधों में तनाव तथा परस्पर कलह का भाव रहेगा जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी। धर्म के प्रति भी इस समय आपकी श्रद्धा कम ही रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही सुख संसाधनों में भी अल्पता रहेगी तथा सुख भी अल्प मात्रा में प्राप्त होगा। इस समय समाज में लोकोपवाद से आपकी मान हानि की संभावना रहेगी फलतः मानसिक व्याकुलता की आपको अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा व्यापारिक उन्नति तथा सफलता में व्यवधान उत्पन्न होंगे साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। नौकरी या राजनीति में इस समय आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा इसमें रूकावटें भी आएंगी। शत्रु पक्ष से इस समय आप चिन्तित भयभीत तथा पराजित रहेंगे तथा समाज में अन्य जनों से आपका कलह भी होता रहेगा जिससे समाजिक मान सम्मान तथा यश में कमी आएगी। इस समय बन्धुवर्ग से भी आपको तिरस्कृत होना पड़ेगा तथा वे आपको कोई भी सहयोग प्रदान नहीं करेंगे । इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे तथा धनाभाव से कष्ट प्राप्त होगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए प्रतिकूल रहेगा। अतः शान्ति पूर्वक अपना समय व्यतीत करें।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करते रहेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं असन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। स्त्री एवं बन्धुवर्ग से आपको विशेष सुख एवं सहयोग अल्प ही मिलेगा तथा इनसे समय समय पर आपको अनावश्यक समस्याएं तथा परेशानियां उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आप इस समय चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे उन्नति के मार्ग में व्यवधान उत्पन्न करते रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही लोभ एवं मोह में आपकी अधिक आसक्ति रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा उन्नति के मार्ग में व्यवधान होंगे अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में वरिष्ठ सहयोगी अथवा उच्चाधिकारी वर्ग से सावधान रहें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें ।साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें तथा प्रारंभ भी न करें अन्यथा असफलता ही अधिक मिलेगी। मित्र वर्ग से भी इस समय आप को विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे भी ऐसे समय में शत्रु की तरह की तरह व्यवहार करेंगे।मानसिक रूप से भी आप में दुर्बलता रहेगी तथा किसी प्रकार के बन्धन का भी भय लगा रहेगा।अतः ऐसे समय में आपको अत्यंत ही संयम एवं सावधानी पूर्वक अपना समय व्यतीत करना चाहिए।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

मासिक फलादेश

प्रथम मास
01/07/2025 10:41:10 से 01/08/2025 21:03:08 तक

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय स्त्री पक्ष तथा बन्धु जनों से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु की तरफ से भी चिन्ता बनी रहेगी। आप में इस समय उत्साह की न्यूनता भी परिलक्षित होगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। आप शरीर से भी अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे तथा मन में लालच के भाव की भी प्रधानता होगी। साथ ही आप अपने शरीर का पूर्ण ध्यान नहीं रखेंगे। अपने बन्धुजनों से आपके सम्बन्धों में तनाव भी उत्पन्न होगा एवं मित्र भी शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे जिससे मानसिक तनाव बना रहेगा। इसके अतिरिक्त अन्य जनों से भी संघर्ष होने का भय बना रहेगा।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी समय समय पर घटित होंगे।अतः आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं बुद्धिमत्ता से अपने अधिकांश कार्यों को सम्पन्न करेंगे। साथ ही धर्मानुपालन में भी आप रूचिशील रहेंगे। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

द्वितीय मास
01/08/2025 21:03:08 से 02/09/2025 01:41:13 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुखदायक एवं आनंदवर्द्धक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे।साथ ही आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुओं का नाश होगा तथा लाभमार्ग भी नित्य उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे फलतः आर्थिक रूप से आप पूर्ण सुदृढ़ रहेंगे। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन करेंगे।साथ ही समाजिक जनों से आप पूर्ण सम्मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। यह मास आपकी भाग्योन्नति में भी सहायक रहेगा तथा कई ऐसे शुभ कार्य जो समय से सिद्ध न हो रहे हों इस समय सिद्ध हो जाएंगे। इसके अतिरिक्त बन्धु एवं मित्रों से संबन्धों में मधुरता बढ़ेगी तथा सांसारिक कार्यों में पूर्ण सफलता मिलेगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता प्राप्त करेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग भी इस समय आपसे पूर्ण प्रसन्न रहेंगे तथा इनसे आप अनुकूल सहयोग होता रहेगा।

साथ ही आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग भी अर्जित करेंगे तथा बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा। इसके अतिरिक्त प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा सुख पूर्वक मास को व्यतीत करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में पूर्ण श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज से आप पूर्ण यश तथा सम्मान प्राप्त करने में सफल रहेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

तृतीय मास
02/09/2025 01:41:13 से 02/10/2025 19:42:31 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धन लाभ अर्जित करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सम्पन्न होंगे। इस मास में आप घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते हैं। सन्तति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे तथा इनका आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनका पूजन एवं सम्मान करने के लिए आप तत्पर रहेंगे। इस मास में समाज में आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगा तथा भाग्योदय सम्बन्धी कार्यों में वृद्धि तथा उन्नति होगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की प्रबलता रहेगी एवं दूर समीप की आप कोई लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न करेंगे। मित्र तथा बन्धुवर्ग से इस समय सम्बन्धों में घनिष्ठता होगी। इसके अतिरिक्त आप सर्वत्र मान प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

इसके साथ ही इस मास में आप शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे इससे आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा वातोत्पन्न रोगों से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि का भी भय होगा जिससे हानि की आशंका बनी रहेगी। अतः संयम एवं सर्तकता पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

चतुर्थ मास
02/10/2025 19:42:31 से 02/11/2025 01:16:16 तक

यह मास आपके लिए पूर्ण शुभ तथा प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय स्त्री वर्ग से आप लाभार्जन करेंगे तथा सौभाग्य से युक्त रहेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी जिसमें आप सफलता अर्जित करेंगे। आप मन से भी इस समय शान्त एवं प्रसन्न रहेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करेंगे तथा अन्य वांछित पदार्थों की भी आपको प्राप्ति होगी। संतति पक्ष से भी आप सुखार्जन करेंगे एवं सम्बन्धियों के मध्य मानप्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस समय में सम्पन्न होंगे तथा आप प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा अन्य पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा तथा धन लाभ प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा सुख पूर्वक समय व्यतीत करके समाज में पूर्ण यश तथा सम्मान प्राप्त करेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

पंचम् मास
02/11/2025 01:16:16 से 01/12/2025 19:53:04 तक

यह मास आपके लिए काफी अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धु जनों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं शत्रुओं से भी चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्न रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह में भी न्यूनता आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आपकी आर्थिक स्थिति भी कमजोर होगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा एवं मन में लोलुपता के भाव की प्रधानता रहेगी। अपने बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक तनाव तथा वैमनस्य का भाव बना रहेगा। साथ ही इस समय आपके मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से भी विवाद होते रहेंगे जिससे आप काफी दुःखी एवं अशान्त रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप वायु द्वारा उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में अवमानना होगी एवं बाद में पश्चाताप भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको धन हानि का योग बनता है अतः सोच समझकर अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

षष्ठ मास
01/12/2025 19:53:04 से 31/12/2025 07:49:46 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप मात्रा में लाभार्जन करेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय से सम्पन्न हो जाएंगे। इस मास आपके घर में कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न हो सकता है। संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपकी श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इस समय समाज में आपका यश दूर दूर तक फैलेगा तथा भाग्योदय संबधी कार्य शीघ्र सम्पन्न होते रहेंगे। आपकी बुद्धि भी निर्मल रहेगी तथा इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी करेंगे।साथ ही उच्चाधिकारियों से मान एवं सम्मान अर्जित करेंगे तथा बन्धु एवं मित्रों से अत्यंत ही मधुर संबध रहेंगे एवं एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे तथा अपनी बुद्धिचातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे। इस प्रकार सम्पूर्ण मास विविध प्रकार के सुखों को उपभोग करते हुए व्यतीत करेंगे तथा समाज से यश भी अर्जित करेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

सप्तम् मास
31/12/2025 07:49:46 से 29/01/2026 18:59:46 तक

यह मास आपके लिए उत्तम फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अन्य प्रकार से भी विविध सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से आपको उचित मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनका पूजन तथा सत्कार भी आप करते रहेंगे तथा समाज में दूसरे लोगों के परोपकार के लिए भी आप कार्यो को सम्पन्न करते रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे फलतः आपके यश में वृद्धि होगी तथा पदोन्नति की संभावना बनेगी। साथ ही भाई बहिनों से आप इस समय वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प तथा मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी जिससे आप हृदय से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे ।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपको नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की उपलब्धि भी हो सकती है। अतः यह मास आपके लिए पूर्णतया सुख शान्ति एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला सिद्ध होगा।

अष्टम् मास
29/01/2026 18:59:46 से 28/02/2026 11:27:38 तक

यह मास आपके लिये विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में होंगे। इस समय आप स्त्री पक्ष से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रुओं की ओर से भी चिन्ता एवं भय का वातावरण बना रहेगा। इस मास में आपके उत्साह में भी कमी आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम के बाद भी पूर्ण रूप से सिद्ध नहीं होंगे। शारीरिक अस्वस्थता भी इस समय बनी रहेगी तथा स्वभाव में लोलुपता के भाव में वृद्धि होगी। अपने बंधु एवं मित्र वर्ग से आपके संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मन मुटाव चलता रहेगा।मित्र वर्ग भी इस समय शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे जिसके कारण मन अशान्त तथा असंतुष्ट रहेगा। इसके अतिरिक्त आपके सामाजिक जनों से भी वादविवाद या संघर्ष होने की संभावना बनी रहेगी जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होते रहेंगे। अतः स्त्री से सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा बुद्धिबल से आपके कार्य सफल भी हो सकते है। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में रूचि उत्पन्न होगी। इस प्रकार आपका यह मास सामान्य रूप से व्यतीत होगा।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

नवम् मास
28/02/2026 11:27:38 से 30/03/2026 14:02:03 तक

इस महीने में आप अपने कार्य क्षेत्र में विशेष सफफलता तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही आपके उच्चाधिकारी भी आपसे पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे जिससे आप पदोन्नति या विशेष लाभ भी प्राप्त कर सकते है। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनके परोपकार संबधी कार्यो को करने के लिए तत्पर रहेंगे। आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में इस मास सफलता प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। अतः मन से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता एवं श्रेष्ठता को मन से स्वीकार करेंगे तथा आपको हार्दिक आदर प्रदान करेंगे। आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगा एवं अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस माह में आप नवीन गृह की प्राप्ति या स्थान परिवर्तन भी कर सकते हैं।साथ ही आपकी मनोकामनाएं भी पूर्ण होंगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे एवं अपने अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को अपनी बुद्धिमता से सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप समस्त भौतिक सुख अर्जित करके प्रसन्नता पूर्वक समय को व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

दशम् मास
30/03/2026 14:02:03 से 30/04/2026 05:00:20 तक

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शत्रुपक्ष प्रबल रहेगा फलतः उनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। साथ ही आपके घर में किसी प्रकार की चोरी होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा अतः आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में भी न्यूनता आएगी। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी कई प्रकार से व्यवधान आएंगे तथा उनमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही हाथ लगेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी दूर समीप की भी कोई यात्रा हो सकती है। आपके सांसारिक कार्य भी इस समय अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी धन अधिक मात्रा में व्यय होने की संभावना रहेगी। अतः इस मास को सावधानी तथा संयम पूर्वक व्यतीत करें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतःआप सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से सहयोग तथा लाभ अर्जित कर सकेंगे। साथ ही अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को परिश्रमपूर्वक सफल बनाने में समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त किसी नवीन द्रव्य या वस्त्र की भी प्राप्ति करने में भी आप सफल रहेंगे। इस प्रकार मध्यम रूप से आप अपने समय को इस मास में व्यतीत करेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

एकादश मास
30/04/2026 05:00:20 से 31/05/2026 07:22:27 तक

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय महिला वर्ग से आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सौभाग्य से ही सम्पन्न होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आप अपनी रूचि का प्रदर्शन करेंगे तथा इसमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। मित्रों तथा संबधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको इच्छित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा साथ ही मनोवांछित द्रव्यों की भी इस मास में उपलब्धि हो सकती है। संतति पक्ष से भी आपको यथोचित लाभ तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। सामाजिक जनों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा आपकी असफल आशाएं भी इस मास में पूर्ण होंगी। अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं की भी प्राप्ति करने में सफल सिद्ध हो सकते हैं।

द्वादश मास
31/05/2026 07:22:27 से 01/07/2026 16:55:12 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आप अपने कार्य क्षेत्र में विशेष सफलता प्राप्त करेंगे तथा आपके उच्चाधिकारी वर्ग भी प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। अतः आप उन्नति की ओर अग्रसर होंगे।साथ ही बन्धु तथा मित्र वर्ग से मधुर तथा घनिष्ठ संबध रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा तथा दूसरे लोगों की भलाई के कार्यो में भी आप तत्पर रहेंगे। आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इसी मास में सम्पन्न होंगे।अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। इस समय सामाजिक जनों के मध्य आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता तथा प्रभुता को मन से स्वीकार करेंगे। आपकी कीर्ति भी दूर दूर तक फैलेगी तथा अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन होता रहेगा। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन गृह की प्राप्ति या स्थान परिवर्तन भी कर सकते हैं। साथ ही आपकी मनोकामनाएं भी पूर्ण होंगी।

साथ ही इस मास में स्त्री तथा पुत्र से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा नवीन वस्त्रों की प्राप्ति या वस्तुओं को अर्जित कर सकते है। इस प्रकार आप आनन्द पूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com